Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 11 May 2024

Dainik Jagran Page - 02

नौकरीपेशा लोगों को शोध का अवसर दे रहा गोवि

विश्वविद्यालय में अंशकालिक शोध कर सकेंगे सरकारी या निजी कंपनी में नौकरी करने वाले अभ्यर्थी

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

विभागवार अंशकालिक पीएचडी की सीटें

रक्षा अध्ययन विभाग- 4, बायोटेक्नालाजी- 2, वनस्पति विज्ञान-5, रसायन विज्ञान- 6, कंप्यूटर साइंस- 1, इलेक्ट्रानिक्स-1, गृह विज्ञान-1, गणित -3, सांख्यिकी- 2, भौतिक विज्ञान- 3, जंतु विज्ञान- 6, प्राचीन इतिहास- 4, भूगोल-1, हिंदी- 5, मध्यकालीन व आधुनिक इतिहास-2, दर्शनशास्त्र-1, राजनीति विज्ञान- 4, मनोविज्ञान-4, समाजशास्त्र- 5, ललित कला व संगीत- 1, अंग्रेजी- 4, उर्दू-1, अर्थशास्त्र-4, वाणिज्य व व्यवसाय प्रशासन-7, शिक्षाशास्त्र-2, शारीरिक शिक्षा- 1, कृषि अर्थशास्त्र व सांख्यिकी-1, विधि- 2 और कृषि प्रसार-2

25 मई से पांच जुलाई तक गोवि व कालेज में होगा ग्रीष्मावकाश

कार्य परिषद सदस्य बनीं प्रो. नंदिता व डा. वेद प्रकाश

जासं, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने कार्य परिषद के छह सदस्यों के नाम घोषित किए हैं। इसे लेकर विश्वविद्यालय की ओर से शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी गई। सामान्य वर्ग कोटे में अंग्रेजी विभाग की आचार्य प्रो. नंदिता सिंह और विधि विभाग के सहायक आचार्य डा. वेद प्रकाश राय को कार्य परिषद सदस्य नामित किया गया है। ओबीसी कोटे से हिंदी विभाग के आचार्य प्रो. कमलेश गुप्त व प्राणि विज्ञान विभाग की प्रो. वीना बत्रा कुशवाहा और एससी-एसटी कोटे से अर्थशास्त्र विभाग के आचार्य प्रो. आलोक कुमार गोयल व समाजशास्त्र विभाग की आचार्य प्रो. अंजू को कार्य परिषद सदस्य बनाया गया है। सभी सदस्यों का कार्यकाल 20 मई 2024 से शुरू होकर 19 मई 2025 तक या अन्य कोई आदेश निर्गत तक प्रभावी रहेगा।

Amar Ujala Page - 05, 07

डीडीयू : नौकरी पेशा वालों के लिए पीएचडी में 86 सीटें

सत्र 2023-24: पीएचडी में प्रवेश के लिए शुरू हुई आवेदन प्रक्रिया

90 दिन के लिए रहना होगा उपस्थित

25 मई से पांच जुलाई तक डीडीयू, कॉलेजों में ग्रीष्मावकाश

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों में 25 मई से पांच जुलाई तक शिक्षकों के लिए ग्रीष्मावकाश घोषित किया गया है। छह जुलाई से नए सत्र की शुरुआत होगी। शुक्रवार को कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने इसका आदेश जारी कर दिया। हालांकि, ग्रीष्मावकाश के दौरान सभी प्रशासनिक और विभागीय कार्यालय खुले रहेंगे। संवाद

अंग्रेजी विभाग में चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों की हुई विदाई

सीता स्वयंवर और शिव धनुष भंग का किया मंचन

Inext Page - 02

स्टूडेंट्स ने मनाई परशुराम जयंती

GORAKHPUR (10 May): गोरखपुर यूनिवर्सिटी मुख्य द्वार पर छात्र नेता आदित्य शुक्ला के नेतृत्व में छात्रों ने परशुराम जयंती मनाई. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि संस्थान के निदेशक प्रो. शरद कुमार मिश्र मौजूद रहे. उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम शास्त्र और शास्त्र के ज्ञाता हैं. इस दौरान अतुल द्विवेदी, शशांक शेखर मिश्रा, अमन राय, उज्जवल पांडे, आकाश तिवारी, प्रवीण तिवारी, अनुराग मिश्रा, शशांक मिश्रा, रिशु दुबे, राजवीर, शिवम, अनिकेत आदि मौजूद रहे.

एनएसएस ने मनाई परशुराम जयंती

GORAKHPUR (10 May): गोरखपुर यूनिवर्सिटी के राष्ट्रीय सेवा योजना ने अक्षय तृतीया पर महर्षि परशुराम जयंती का आयोजना किया. जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार प्रो. शांतनु रस्तोगी मौजूद रहे. उन्होंने कहा कि महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए. इस दौरान प्रो. उमेश नाथ त्रिपाठी, प्रो. जितेंद्र मिश्रा, प्रो. अजय शुक्ला, प्रो. शरद मिश्रा, प्रो. प्रत्युष दूबे, डॉ. अमित उपाध्याय, डॉ. कुसुम रावत, डॉ. प्रभुनाथ प्रसाद, डॉ. कुलदीपक शुक्ल, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. कमलेश यादव, डॉ. संजय तिवारी, डॉ. सुनील यादव, डॉ. वंदना सिंह आदि मौजूद रहे. इस दौरान स्वयंसेवकों ने शिव धनुष भंग और सीता स्वयंवर की नाट्य प्रस्तुति दी.

Hindustan Page 02 , 05

नौकरीपेशा लोग भी अब डीडीयू में कर सकेंगे शोध

व्यवस्था

गोरखपुर, निज संवाददाता। शोध की गुणवत्ता बढ़ाने और नौकरी-पेशा लोगों में शोध को लेकर दबी प्रतिभा को उभारने के लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विवि ने अपने नए शोध अध्यादेश में अंशकालिक पीएचडी की व्यवस्था की है। इसके लिए अलग-अलग विभागों में 86 सीटें निर्धारित की गई हैं। उन्हें प्रवेश परीक्षा में शामिल न होने सहूलियत भी दी गई है।

विश्वविद्यालय ने अंशकालीन पीएचडी में प्रवेश को लेकर अर्हता भी निर्धारित की है। निर्धारित अर्हता के मुताबिक किसी भी अभ्यर्थी को अंशकालिक पीएचडी में प्रवेश के लिए अपने नियोक्ता से जारी अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जमा करना होगा। उस प्रमाण-पत्र के जरिये अभ्यर्थी को शोध के लिए पर्याप्त समय की अनुमति और पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए आवश्यकता पड़ने पर ड्यूटी से राहत मिलने का आश्वासन देना होगा। अंशकालिक शोधार्थी के लिए मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी निकायों, पब्लिक सेक्टर उपक्रम या सूचीबद्ध निगमों में कम से कम पांच साल की निरंतर वरिष्ठ स्तर की सेवा होने की अनिवार्यता होगी।

- अंशकालिक पीएचडी के लिए अलग-अलग विभागों में 86 सीटें निर्धारित
- प्रवेश परीक्षा में शामिल न होने की सहूलियत भी दी गई

पीएचडी करने वाले नौकरी-पेशा के अभ्यर्थियों को अंशकालिक शोधार्थियों का दर्जा मिलेगा। 90 दिन तक संस्थान में रहने की अनिवार्यता होगी। पीएचडी में प्रवेश के आनलाइन आवेदन शुरू हो चुका है।

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

अंशकालिक पीएचडी धारकों को किसी तरह छात्रवृत्ति प्रदान नहीं की जाएगी। अंशकालिक पीएचडी करने वालों के लिए कम से कम 90 दिन की उपस्थिति दर्ज करानी होगी।

ग्रीष्मावकाश में भी होगी परीक्षा व अन्य प्रशासनिक कार्य

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों में 25 मई से पांच जुलाई तक शिक्षकों के लिए ग्रीष्मावकाश घोषित किया गया है। ग्रीष्मावकाश के बाद छह जुलाई से नए सत्र की शुरूआत होगी। शुक्रवार को कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने इसका आदेश जारी कर दिया।

हालांकि, ग्रीष्मावकाश के दौरान सभी प्रशासनिक और विभागीय कार्यालय खुले रहेंगे। परीक्षाएं, प्रवेश और मूल्यांकन संबंधित कार्य अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चलते रहेंगे। जो शिक्षक परीक्षा एवं अन्य कार्यों में में लगे रहेंगे, उनको एक दिन के सापेक्ष एक दिन का प्रतिकर दिया जाएगा।

अंग्रेजी विभाग के विद्यार्थियों को दी गई विदाई

गोरखपुरा। गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में शुक्रवार को समारोह का आयोजन कर चौथे सेमेस्टर के विद्यार्थियों को विदाई दी गई। इस मौके पर उपस्थित कुलपति प्रो पूनम टंडन ने विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम आपस में संवाद स्थापित करने में सहायक एवं व्यक्तित्व विकास में योगदान करते हैं। अंग्रेजी विभाग हमेशा ही अपने मेधावी विद्यार्थियों की वजह से जाना जाता है। इस दौरान विभागाध्यक्ष प्रो अजय शुक्ल के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने कुलपति को फूल एवं स्मृति चिह्न देखकर स्वागत किया।

कार्य परिषद सदस्य बने प्रो नंदिता और डॉ. वेद प्रकाश

गोरखपुर। डीडीयू ने कार्य परिषद के छह सदस्यों के नाम घोषित किए हैं। इसे लेकर विश्वविद्यालय की ओर से शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी गई। सामान्य वर्ग कोटे में अंग्रेजी विभाग की आचार्य प्रो. नंदिता सिंह और विधि विभाग के सहायक आचार्य डॉ. वेद प्रकाश राय को कार्यपरिषद सदस्य नामित किया गया है। ओबीसी कोटे से हिंदी विभाग के आचार्य प्रो. कमलेश गुप्त व प्राणि विज्ञान विभाग की प्रो. वीना बत्रा कुशवाहा और एससी-एसटी कोटे से अर्थशास्त्र विभाग के आचार्य प्रो. आलोक कुमार गोयल व समाजशास्त्र विभाग की आचार्य प्रो. अंजू को कार्यपरिषद सदस्य बनाया गया है।

Swatantra Chetna Page 02

मौखिकी परीक्षा आज

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवम् संस्कृति विषय के सत्र 2023-24 के स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष के समस्त व्यक्तिगत विद्यार्थियों की मौखिकी परीक्षा 11 को प्रात: 10 बजे से अपराह्न 04 बजे के मध्य , प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवम् संस्कृति विभाग दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर में संपन्न होगी।

योग से मनुष्य रहता है निरोग : प्रो. अलका

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर।दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय स्थित महायोगी गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ द्वारा कुलपति प्रो. पूनम टण्डन के संरक्षण में चल रहे सप्तदिवसीय ग्रीष्मकालीन योग कार्यशाला विषय योग एवं आजीविका शुक्रवार को योग प्रशिक्षण के दूसरे दिन भी प्रतिभागियों की काफी संख्या रही। योग प्रशिक्षण योग प्रशिक्षक डा. विनय कुमार मल्ल के द्वारा दिया गया।

ध्यान सहित योग प्रशिक्षण में लगभग 75 लोगों ने भाग लिया। जिसमे एन. एस. एस., योग एवं स्नातक, परास्नातक, शोध छात्र आदि विद्यार्थी एवं अन्य लोग सम्मिलित हुए।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. अलका पांडेय ने योग पर अपने उद्बोधन में कहा कि आज के समय में योग की अत्यधिक आवश्यकता है। क्योंकि हमारी युवा पीढ़ी अवसाद ग्रस्त हो रही है। योग के ज्ञानकाण्ड, उपासना काण्ड, कर्मकाण्ड पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने निष्काम कर्म की चर्चा करते हुए कहा कि उपासना का प्राण भक्ति है और उसका कलेवर योग है। भक्ति से हीन योग कसरत मात्र है। अत: योग से भक्ति को भी जोड़ना है। प्रो. अलका ने योग के चार साधनों - मंत्र, लय, हठ व राजयोग को विस्तृत रुप से व्याख्यायित किया।

Amar Ujala Select Page - 04

25 मई से पांच जुलाई तक डीडीयू, कॉलेजों में ग्रीष्मावकाश

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों में 25 मई से पांच जुलाई तक शिक्षकों के लिए ग्रीष्मावकाश घोषित किया गया है। छह जुलाई से नए सत्र की शुरुआत होगी। शुक्रवार को कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने इसका आदेश जारी कर दिया। हालांकि, ग्रीष्मावकाश के दौरान सभी प्रशासनिक और विभागीय कार्यालय खुले रहेंगे। परीक्षाएं, प्रवेश और मूल्यांकन संबंधित कार्य अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चलते रहेंगे।

प्रो. नंदिता व डॉ. वेद प्रकाश बने कार्य परिषद सदस्य

गोरखपुर। डीडीयू ने कार्य परिषद के छह सदस्यों के नाम की घोषणा की है। इसे लेकर विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को आदेश जारी कर दिया। सामान्य वर्ग कोटे में अंग्रेजी विभाग की आचार्य प्रो. नंदिता सिंह और विधि विभाग के सहायक आचार्य डॉ. वेद प्रकाश राय को कार्यपरिषद सदस्य नामित किया गया है। ओबीसी कोटे से हिंदी विभाग के आचार्य प्रो. कमलेश गुप्त व प्राणि विज्ञान विभाग की प्रो. वीना बत्रा कुशवाहा और एससी-एसटी कोटे से अर्थशास्त्र विभाग के आचार्य प्रो. आलोक गोयल व समाजशास्त्र विभाग की आचार्य प्रो. अंजू को कार्यपरिषद सदस्य बनाया गया है।

Aaj Daily

अंग्रेजी विभाग में आयोजित हुआ विदाई समारोह

शोधपीठ में आनलाइन व्याख्यान के साथ आयोजित हुआ योग प्रशिक्षण कार्यक्रम